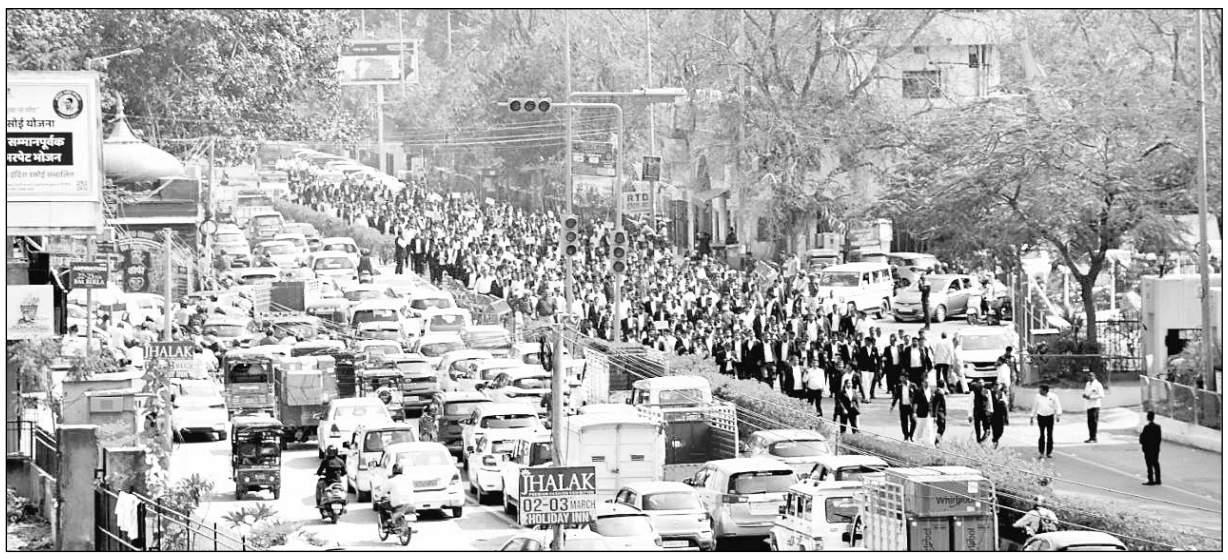

जोधपुर में पिछले दिनों वकील की हत्या के विरोध में तथा एडवोकेट प्रोटैक्शन एक्ट लाने की मांग करते हुए जयपुर में वकीलों ने एम.आई. रोड., झोटवाडा पुलिया, कलैक्ट्रेट के क्षेत्रों में रैली निकाली। इस वजह से पूरे जयपुर शहर में करीब तीन घंटे तक जाम लगा रहा।

वकीलों की रैली से यातायात जाम

कई किलोमीटर लम्बे जाम में वाहन फंसे

जयपुर, 23 फरवरी। जोधपुर में वकील की दिनदहाड़े हुई हत्या के विरोध में और एडवोकेट प्रोटेक्शन कानून की मांग को लेकर हाईकोर्ट सहित अधीनस्थ अदालतों में गुरुवार को भी वकीलों ने न्यायिक कार्यों का बहिष्कार किया। हालांकि गुरुवार को हाईकोर्ट में कुछ सरकारी वकीलों ने मुकदमों में पैरवी की।

वकीलों ने न्यायिक कार्य का बहिष्कार करते हुए सैशन कोर्ट से शहीद स्मारक तक रैली निकाली। वकीलों की रैली के दौरान स्टेशन रोड, एम.आई. रोड, झोटवाड़ा रोड पर कई किलोमीटर का जाम लग गया। जिसकी वजह से वाहन चालकों को खासी परेशानी हुई। वहीं हाईकोर्ट के वकीलों ने कोर्ट के बाहर सांकेतिक रास्ता जाम किया। करीब आधे घंटे तक रास्ता रोकने के बाद वकील न्यायालय परिसर में लौट गए। सैशन कोर्ट परिसर में वकीलों ने सभा करने के बाद शहीद स्मारक तक रैली निकाली। शहीद स्मारक तक पहुंचने के बाद वकील कोर्ट परिसर में लौट आए। रैली में द बार एसोसिएशन जयपुर के अध्यक्ष कमल किशोर शर्मा, महासचिव मनोज शर्मा, पूर्व महासचिव संदीप लुहाडिया, द डिस्ट्रिक्ट एडवोकेट्स बार एसोसिएशन के अध्यक्ष विवेक शर्मा, महासचिव गजराज शर्मा, हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व महासचिव प्रहलाद शर्मा सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता शामिल हुए। रैली करीब 12.30 बजे सैशन कोर्ट से रवाना हुई। इसी के साथ एम.आई. रोड, सीकर रोड, झोटवाड़ा रोड सहित आस-पास के क्षेत्र में जाम लग गया। इन क्षेत्रों में करीब तीन घंटे तक वाहन चालक जाम में फंसे रहे।

- **जोधपुर में एक वकील की दिनदहाड़े हत्या के विरोध और एडवोकेट प्रोटैक्शन कानून की मांग को लेकर वकीलों ने गुरूवार को भी न्यायिक कार्य का बहिष्कार किया।**

शिक्षक भर्ती पेपर लीक मामले का मुख्य आरोपी भूपेन्द्र सारण बैंगलुरू से गिरफ्तार

एस.ओ.जी. ने आरोपी को उदयपुर पुलिस के सुपुर्द कर दिया है

जयपुर, 23 फरवरी। राजस्थान में सेकण्ड ग्रेड पेपर लीक प्रकरण मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपी भूपेन्द्र सारण को स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एस.ओ.जी.) ने गुरूवार शाम को बैंगलूरू एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया है। भूपेन्द्र पर एक लाख रुपए का इनाम घोषित था।

एस.ओ.जी. ने बताया कि, पुलिस अधीक्षक जोधपुर ग्रामीण धर्मेन्द्र सिंह यादव और उनके साथी अधिकारियों की आपराधिक सूचना के आधार पर ए.टी.एस. व एस.ओ.जी. और जोधपुर ग्रामीण का पुलिस दल गत 6 दिनों से बैंगलूरू में रुका हुआ था। इस दौरान भूपेन्द्र सारण के बारे में पूरी जानकारी जुटाई जा रही थी।

22 फरवरी को उसके बारे में पुलिस को जानकारी मिली थी। भूपेन्द्र सारण अहमदाबाद से फ्लाइट लेकर बैंगलुरु आया था। इसके आधार पर पुलिस ने गुरूवार को भूपेन्द्र सारण को बैंगलूरू एयरपोर्ट से पकड़ लिया। आरोपी वर्तमान में उदयपुर में दर्ज पेपर लीक के मामले में वांछित चल रहा है। इस पर आज सुबह उदयपुर जिला पुलिस को भी इस कार्रवाई में शामिल किया गया है। आरोपी भूपेन्द्र सारण को पकड़कर उदयपुर पुलिस को सुपुर्द कर दिया गया है।

उदयपुर पुलिस आरोपी भूपेन्द्र सारण से पूछताछ करेगी। इसके बाद एस.ओ.जी. अपने यहां दर्ज केस में भूपेन्द्र सारण से पूछताछ करेगी। इस पूरे मामले में सी.आई.एस.एफ. बैंगलुरू में पदस्थापित राजस्थान कैडर के पुलिस महानिरीक्षक जोस मोहन का भी विशेष योगदान रहा।

पुलिस भूपेन्द्र सारण से दूसरे आरोपी सुरेश ढाका के बारे में भी पूछताछ करेगी।

पुलिस का मानना है कि भूपेन्द्र सारण की गिरफ्तारी के बाद बहुत जल्द सुरेश ढाका भी किया जा सकेगा। गौरतलब है कि आरोपी भूपेन्द्र सारण और सुरेश ढाका के खिलाफ एक लाख रुपए का इनाम घोषित किया हुआ हैं।

गौरतलब है कि भूपेंद्र सारण साल 2011 में जी.एन.एम. भर्ती पेपर आउट प्रकरण और वर्ष 2022 में पुलिस कांस्टेबल भर्ती पेपर लीक मामले में भी शामिल था। वह जेल भी जा चुका है।

पुलिस जयपुर से भूपेंद्र सारण की गर्लफ्रेंड और पत्नी को गिरफ्तार कर चुकी है।

पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने पेपर लीक के मास्टरमाइंड भूपेंद्र सारण की गिरफ्तारी पर एडीजी एसओजी अशोक राठौड़, उदयपुर एसपी विकास शर्मा एवं पुलिस अधीक्षक जोधपुर ग्रामीण धर्मेन्द्र सिंह सहित पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने बताया कि इस टीम में शामिल पुलिस कर्मियों को पुलिस मुख्यालय बुलाकर विशेष रूप से पुरस्कृत किया जाएगा।

- **आरोपी भूपेन्द्र सारण और सुरेश ढाका पर पुलिस ने एक लाख रूपए का इनाम घोषित कर रखा था।**
- **सारण की गिरफ्तारी में, सी.आई.एस.एफ. बैंगलुरू में पदस्थापित राजस्थान कैडर के पुलिस महानिरीक्षक जोस मोहन का विशेष योगदान रहा।**

वकील हड़ताल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर थे। उन्होंने आधे घंटे से भी ज्यादा चली बहस में कमाण्ड एरिया के नागरिकों की मांग को पुरजोर तरीके से अदालत से सामने रखा। न्यायाधीशों ने कलेक्टर करौली, एस.पी. करौली तथा सिंचाई विभाग के सुपरिन्टैन्डिंग इंजीनियर से अलग-अलग पूछा कि नहरों में पानी खोलने में क्या परेशानी है? उन्होंने कोर्ट को बताया कि गुडला के आसपास के क्षेत्र के 13 गांवों के लिए एक लिफ्ट परियोजना तैयार है परंतु अभी भी 8 गांव छूटे हुए हैं, जिसके लिए 19.50 करोड़ का प्रस्ताव सरकार में भेज दिया है। उच्च न्यायालय ने आदेश दिया कि,10 मार्च 2023 तक सरकार बताये कि नहरों में पानी खोलने की क्या योजना है? अदालत ने कलेक्टर करौली तथा एसपी करौली को निर्देशित किया कि, वे संभावनाएं तलाशें कि बने हुए तंत्र का उपयोग करते हुए नहरों में पानी कैसे खोला जा सकता है।

'लोकतंत्र को हिटलर शाही बना दिया है'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 फरवरी। कांग्रेस के अध्यक्ष मलिल्कार्जुन खड़गे ने गुरूवार को मोदी सरकार की तानाशाही की कड़ी आलोचना की।

उन्होंने एक बयान में कहा कि मोदी सरकार ने भारत के लोकतंत्र को हिटलरशाही बना डाला है। संसद में सवाल पूछने पर भी सांसदों को नोटिस भेजे जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ में महाधिवेशन से पहले कांग्रेस के नेताओं पर ई.डी. की रेड की गई और गुरूवार को कांग्रेस मीडिया चेयरमैन पवन खेड़ा को रायपुर जाने वाली फ्लाइट से जबरन उतारा गया, उस समय वे अन्य नेताओं के साथ महाधिवेशन में भाग लेने के लिए रायपुर जा रहे थे।

- **कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरूवार को पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा की नाटकीय गिरफ्तारी और छत्तीसगढ़ में कांग्रेसी नेताओं पर ई.डी. रेड के लिए मोदी सरकार पर जोरदार हमला बोला।**

'गृह मंत्री अमित शाह का भी इंदिरा गांधी जैसा हाल कर देंगे'

वारिस पंजाब दे संगठन के प्रमुख अमृतपाल सिंह ने गृह मंत्री अमित शाह को धमकी दी

नई दिल्ली/चंडीगढ़, 23 फरवरी। वारिस पंजाब दे संगठन के प्रमुख और खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह ने गृह मंत्री अमित शाह को धमकी देते हुए कहा कि उन्होंने खालिस्तान आंदोलन को रोकने की कोशिश की तो उनका भी वही हश्र होगा जो पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का हुआ था। वहीं, इसके बाद अमृतपाल सिंह ने धमकी वाले बयान पर यू टर्न ले लिया।

अमृतपाल ने कहा, मैंने गृह मंत्री को किसी तरह की धमकी नहीं दी। अमित शाह ने मुझे धमकी दी है। एजेंसियां मेरा कत्ल करवाना चाहती हैं। गौरतलब है कि, वारिस पंजाब दे कट्टरपंथियों का एक संगठन है जिसकी स्थापना एक्टिविस्ट दीप सिद्धू ने की थी, जिनकी पिछले साल फरवरी में एक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी।

अमृतपाल ने मोगा जिले के बुध सिंह वाला गांव में कहा था कि इंदिरा ने भी हमें दबाने की कोशिश की थी, क्या हश्र हुआ? अब अमित शाह अपनी इच्छा पूरी कर के देख लें। अमृतपाल ने कहा था, अमित शाह को कह दो कि पंजाब का बच्चा-बच्चा खालिस्तान की बात करता है। इंदिरा गांधी ने भी दबाया था, क्या नतीजा निकला सब जानते हैं। अमित शाह भी अपनी इच्छा पूरी कर लें। हम अपना राज मांग रहे हैं, किसी दूसरे का नहीं। गौरतलब है कि हाल ही में गृहमंत्री अमित शाह ने खालिस्तान समर्थकों को खत्म करने की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि पंजाब में खालिस्तान समर्थकों पर सरकार की नजर है।

वहीं, अमृतपाल सिंह और उनके समर्थक आज अमृतसर में पुलिस से उस वक्त भिड़ गए जब वे अपहरण के एक मामले में गिरफ्तार किए गए अमृतपाल के करीबी लवप्रीत तूफानी की रिहाई की मांग कर रहे थे।

15 फरवरी को चमकौर साहिब के एक युवक बरिंदर सिंह को कुछ लोगों ने अगवा कर लिया था। आरोप है कि सोशल मीडिया पर उसने अमृतपाल के खिलाफ टिप्पणी की थी। आरोप है कि बरिंदर को किडनैप करके बुरी तरह पीटा गया था। युवक की शिकायत के बाद अमृतपाल उसके साथी लवप्रीत उर्फ तूफानी समेत 30 समर्थकों के खिलाफ केस दर्ज हुआ था। इसी केस में तूफानी को अरेस्ट किया गया है।

- **अमृतपाल सिंह खालिस्तान समर्थक कट्टरपंथी संगठन वारिस पंजाब दे का प्रमुख है।**
- **पंजाब में गुरुवार का दिन भारी हंगामेदार रहा अमृतपाल सिंह के एक करीबी की गिरफ्तारी के विरोध में, अमृतपाल सिंह के समर्थक पुलिस थाने में लाठी, डंडे, तलवार व सरिये इत्यादि लेकर घुस गये।**
- **गौरतलब है कि, हाल ही में गृहमंत्री अमित शाह ने खालिस्तान समर्थकों को खत्म करने की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि पंजाब में खालिस्तान समर्थकों पर सरकार की नजर है।**

'इस मुद्दे पर हम...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भरकम प्रश्न पूछे गए।'' डैमोक्रेटिक यूनियनिस्ट पार्टी (डी.यू.पी.) के सांसद जिम शैनन ने रेड्स को देश के नेता को लेकर जारी की गई एक बिना-लाग लपेट की डॉक्यूमैन्टरी के बाद ''जानबूझकर'' भयभीत करने वाला कार्य बताया। बी.बी.सी. ने अपने निर्माण का बचाव किया, और कहा कि उसने उच्च कोटि के संपादकीय मानकों की पालना की है।

स्टियरिंग कमेटी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नेताओं के ऊपर ईडी की छापेमारी, इनकम टैक्स के छापेमारी, ऐसा कभी नहीं हुआ। उन लोगों के भी अधिवेशन हुए हैं लेकिन कभी किसी ने उन्हें ऐसे परेशान नहीं किया। लेकिन यहां हमारे अधिवेशन को बाधित करने के लिए कोशिश कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ की जनता और चीफ मिनिस्टर भूपेश बघेल कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और हमारे तमाम साथी एक होकर इसका सामना करेंगे।

इसी के साथ रायपुर पहुंचे जयराम रमेश ने कहा कि इस समय भारतीयों की स्वतंत्रता खतरे में है। इस सरकार में पहले बोलने की स्वतंत्रता खत्म की गई और अब तो हालात ये हैं कि फ्रीडम ही खतरे में है।

मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कांग्रेस महाधिवेशन की जानकारी देते हुए बताया कि पहले दिन 24 तारीख को 10 बजे स्टियरिंग कमेटी की बैठक होगी। शाम 4 बजे सब्जेक्ट कमेटी की बैठक होगी। जहां 6 प्रस्तावों पर चर्चा होगी। अगले दिन 25 तारीख को राजनीतिक, आर्थिक और अंतर्राष्ट्रीय विषयों पर चर्चा होगी। 26 तारीख को कृषि, किसान कल्याण, युवा रोजगार और शिक्षा एवं सामाजिक न्याय पर बात करेंगे। इसी दौरान स्टियरिंग कमेटी के निर्णयों पर भी चर्चा की जाएगी।

उन्होंने कहा, भारत जोड़ो यात्रा के बाद भाजपा बहुत बौखलाई हुई है। भाजपा लगातार राहुल गांधी की आलोचना कर रही है। यात्रा समाप्त हो गई है, लेकिन उनकी घबराहट खत्म नहीं हुई। चार दिन पहले छत्तीसगढ़ में हमारे नेताओं पर ईडी के छापे पड़े। हमारे अधिवेशन को तोड़ने का प्रयास किया गया। आज सुबह मोदी सरकार की प्रतिशोध की राजनीति फिर दिखाई दी। हमारे मीडिया विभाग के प्रमुख पर तीन-तीन एफआईआर कर दी गईं। उन्हें हवाई जहाज से उतार लिया गया। न्याय पालिका ने उन्हें राहत दी है। इससे हमें देखने को मिला कि टाइगर जिंदा है, सुप्रीम कोर्ट लोकतंत्र के लिए ज्योति है। हमारे देश के शहरों में मदर ऑफ डैमोक्रैसी के पोस्टर लगाए हुए हैं, लेकिन दरअसल ये मर्डर ऑफ डैमोक्रैसी है।

कांग्रेस के 85वें अधिवेशन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गांधी शनिवार को रायपुर पहुंचेंगी। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी आएंगी या नहीं, इस बारे में अभी कुछ भी तय नहीं हुआ है। बताया जा रहा है, उनका आना उनके सेहत पर निर्भर करेगा। सेहत ठीक रही तो वे संभवत शनिवार को रायपुर पहुंचेगीं। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खु भी देर शाम को रायपुर पहुंच गए।

राजस्थान और हिमाचल प्रदेश कांग्रेस की टीम पहले ही यहां पहुंच चुकी है। कांग्रेस स्टीयरिंग कमेटी के बाकी सभी 45 नेता शुक्रवार सुबह तक रायपुर पहुंच जाएंगे। इन नेताओं में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार जैसे नेता शामिल हैं।

जानकारी के अनुसार अधिवेशन में विभिन्न राज्यों के 12 से ज्यादा मुख्यमंत्री पहुंच रहे हैं। इसमें महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री सुशील कुमार शिंदे, अशोक च ाण, पृथ्वीराज च ाण, कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एम. वीरप्पा मोइली, पुड्डूचेरी के मुख्यमंत्री रहे वी. नारायणसामी, आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एन. किरण कुमार रेड्डी, पंजाब के मुख्यमंत्री रहे चरणजीत सिंह चन्नी और राजिंदर कौर भट्टल के साथ गोवा के पूर्व मुख्यमंत्री प्रताप सिंह राणे, त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री समीर रंजन बर्मन, अरुणाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुकुट मिथि और नगालैंड के पूर्व मुख्यमंत्री एस.सी. जमीर भी रायपुर पहुंच रहे हैं।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस के सह प्रभारी विजय जांगिड़ ने बताया कि कांग्रेस के तीन दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन के लिए नवा रायपुर के मेला स्थल पर 12 से ज्यादा डोम तैयार किये गये हैं। प्रत्येक डोम एयरकंडीशंड है। अधिवेशन के लिए एक विशाल पंडाल बनाया गया है।

जिस डोम में सारे वी.आई.पी. रहेंगे, उसमें बड़ा मंच बनाया गया है। भोजन, बैठक, मीडिया गैलरी सहित सभी डोम एयरकंडीशंड होंगे। उन्होंने बताया कि अधिवेशन में शामिल होने वाले लगभग 15 हजार कांग्रेस नेताओं और ड्यूटी में लगे 5 हजार लोगों के लिए रोजाना वहीं भोजन बना करेगा। जहां तक मेहमानों के रुकने की व्यवस्था की बात है, तो रायपुर के छोटे-बड़े करीब 100 से ज्यादा होटल पहले ही बुक कर लिए गए हैं। इसके अलावा हॉस्टल- स्कूल, बड़े निवास स्थान भी बुक कर लिए गए हैं। मेहमानों के आने-जाने के लिए गाड़ियों की व्यवस्था छत्तीसगढ़ के अलावा महाराष्ट्र से भी की गई है और कुछ गाड़िया दिल्ली से भी मंगवाई गई है, ताकि कोई परेशानी नहीं हो। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से लेकर नवा रायपुर तक पूरे रास्ते को होर्डिंग्स, बैनर और कांग्रेस के झंडों से सजा दिया गया है।

'मुझे कांग्रेस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर उसका मेडिकल कर रही है। वहीं लॉरेंस के अधिवक्ता दीपक चौहान ने बताया कि, कोर्ट ने बुधवार को लॉरेंस की अर्जी पर पुलिस से उसकी सुरक्षा व्यवस्था और उसके मेडिकल के संबंध में रिपोर्ट देने के लिए कहा था, लेकिन उसे पर्याप्त सुरक्षा नहीं दी जा रही है। लॉरेंस की ओर से पूर्व में अदालत को बताया गया था कि, वह लंबे समय से पुलिस व न्यायिक हिरासत में सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में है। वह दो साल से किसी प्राइवेट व्यक्ति से नहीं मिला है तो कैसे किसी से रंगदारी मांग सकता है।

उसे 15 जून 2022 को तिहाड जेल से सिद्दू मूसेवाला हत्याकांड में प्रोडक्शन वारंट पर एसटीएफ के द्वारा पुलिस कस्टडी में लिया था। हर दिन उसकी वीडियोग्राफी हुई और छह महीने से एसटीएफ के रिमाण्ड पर है। इसके बाद 21 जनवरी 23 से वह बठिंडा जेल में न्यायिक हिरासत में है और वीडियोग्राफी व सर्वेलैंस पर है। इस मामले में गिरफ्तारी के दौरान भी वह सर्वेलैंस पर था तो वह अपराध कैसे कर सकता है।

लगातार पांचवें दिन गिरा शेयर बाजार

मुंबई, 23 फरवरी (वार्ता)। वैश्विक बाजार के कमजोर रुख के साथ ही स्थानीय स्तर पर फरवरी माह के वायदा सौदा निपटान को लेकर यूटिलिटीज, पावर, रियल्टी, कैपिटल गुड्स और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स समेत चौदह समूहों में हुई बिकवाली से आज शेयर बाजार में लगातार पांचवें दिन भी गिरावट रही।

बी.एस.ई. का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 139.18 अंक का गोता लगाकर 59605.80 अंक और नैशनल स्टॉक एक्सचेंज (एन.एस.ई.) का निफ्टी 43.05 अंक उतरकर 17511.25 अंक पर आ गया। इस दौरान बी.एस.ई. की दिग्गज कंपनियों की तरह मझौली कंपनियों में बिकवाली हुई वहीं छोटी कंपनियों में तेजी का रुख रहा, जिससे मिडकैप 0.40 प्रतिशत टूटकर 24,220.34 अंक रहा जबकि स्मॉलकैप 0.06 प्रतिशत की बढ़त लेकर 27,626.56 अंक हो गया।

इस दौरान बी.एस.ई. में कुल 3599 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 1861 में गिरावट जबकि 1584 में तेजी रही वहीं 154 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एन.एस.ई. में 26 कंपनियों में बिकवाली जबकि शेष 24 में लिवाली हुई। बी.एस.ई. के 14 समूहों में गिरावट दर्ज की गई। इस दौरान कमोडिटीज 0.07, सीडी 0.37, ऊर्जा 0.03, वित्तीय सेवाएं 0.11, हेल्थकेयर 0.20, इंडस्ट्रियल्स 0.59, आई.टी. 0.09, दूरसंचार 0.30, यूटिलिटीज 1.29, कैपिटल गुड्स 0.84, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.95, पावर 1.19, रियल्टी 1.60 और टेक समूह के शेयर 0.37 प्रतिशत गिर गए।

1993 के सीरियल बम ब्लास्ट की अगली सुनवाई दो मार्च को

अजमेर, 23 फरवरी (का.सं.)। अयोध्या में बाबरी विध्वंस की बरसी पर 6 दिसंबर 1993 को लखनऊ, कानपुर, हैदराबाद, सूरत और मुंबई की ट्रेनों में हुए सिलसिलेवार बम धमाके को लेकर गुरुवार को अजमेर की टाडा कोर्ट में सुनवाई हुई। तीनों आतंकियों को कोर्ट में पेश किया। मामले में आखरी गवाह तत्कालीन डिप्टी एस.पी. के बयान दर्ज किए गये। अगली सुनवाई न्यायाधीश ने 2 मार्च को तय की है। जिसमें मुलजिमों के बयान दर्ज किए जाएंगे।

एडवोकेट अब्दुल रशीद ने बताया -1993 में देश के विभिन्न जगहों पर बम ब्लास्ट हुए थे, जिसमें पांच अलग-अलग थानों में मुकदमे दर्ज हुए। बम ब्लास्ट के मामले में गुरुवार को अजमेर की टाडा कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट में आतंकी अब्दुल करीम उर्फ टुंडा, इरफान और हमीदुद्दीन को भी कोर्ट में पेश किया। एडवोकेट ने बताया कि डिप्टी एस.पी. मीणा इस पूरे मामले के अंतिम गवाह थे। इस पूरे मामले में अब तक 65 लोगों के बयान दर्ज किए जा चुके हैं।

अब्दुल करीम उर्फ टुंडा उत्तर प्रदेश में हापुड़ जिले के कस्बा पिल खुवा का रहने वाला है। अपने जीवन की शुरुआत में वह पिल खुवा कस्बे में कारपेंटर (बढ़ई) का काम करता था, लेकिन काम चला नहीं। इसके बाद कपड़े का कारोबार करने मुंबई चला गया। बताया जा रहा है कि 1980 के आसपास वह आतंकी संगठनों के संपर्क में आया। 80 के दशक में अब्दुल करीम उर्फ टुंडा ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों से ट्रेनिंग ली और फिर लश्कर-ए-तैयबा के संपर्क में आया। 6 दिसंबर 1993 को ट्रेनों में विस्फोट के वक्त करीम टुंडा लश्कर का विस्फोटक विशेषज्ञ था।

मुंबई के डॉक्टर जलीस अंसारी, नांदेड के आजम गौरी और करीम टुंडा ने 'तंजीम इस्लाम उर्फ मुसलमीन' संगठन बनाकर बाबरी विध्वंस का बदला लेने के लिए 1993 में पांच बड़े शहरों में ट्रेनों में बम धमाके किए थे। इसके अलावा1996 में दिल्ली में पुलिस मुख्यालय के सामने बम धमाके का आरोप भी टुंडा पर ही है। 1996 में सुरक्षा एजेंसी इंटरपोल ने उसका रेड कॉर्नर नोटिस जारी कर इन आतंकियों के प्रत्यर्पण की मांग की थी, उसमें टुंडा भी था। बम बनाते वक्त एक हाथ खो देने के बाद अब्दुल करीम का नाम 'टुंडा' पड़ा। उस पर करीब 33 क्रिमिनल केस दर्ज हैं और 1997-98 में करीब 40 बम धमाके कराने के आरोप हैं।

- **मामले में आखिरी गवाह सी.बी.आई. के तत्कालीन डी.एस.पी. के बयान दर्ज हुए।**
- **गौरतलब है कि, बाबरी विध्वंस की पहली बरसी पर भारत के 6 शहरों में बम धमाके हुए थे।**

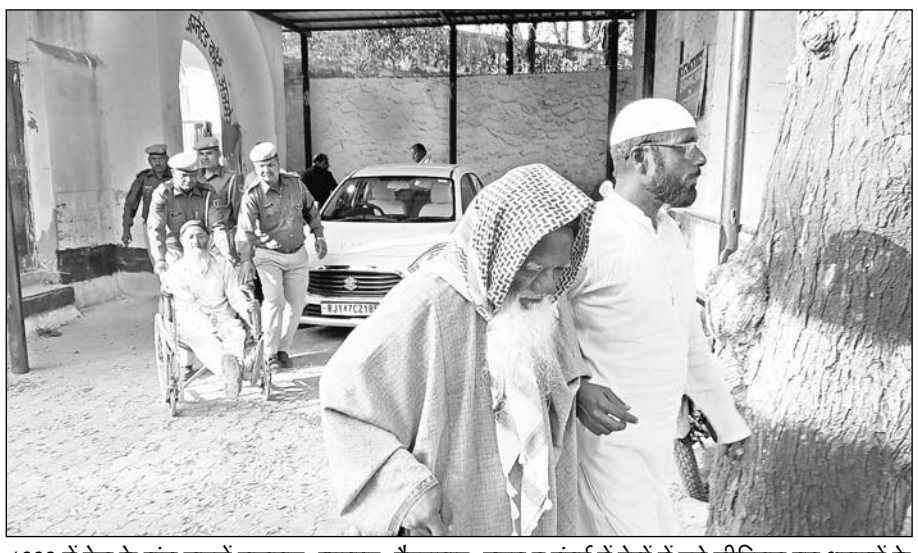

1993 में देश के पांच शहरों लखनऊ, कानपुर, हैदराबाद, सूरत व मुंबई में ट्रेनों में हुये सीरियल बम धमाकों के मामले में गुरुवार को अजमेर की टाडा कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट में तीनों आतंकियों अब्दुल करीम उर्फ टुंडा, इरफान और हमीदुद्दीन को कोर्ट में पेश किया गया।

भारतीय मूल के अमेरिकी अजय बंगा को वर्ल्ड बैंक का अध्यक्ष मनोनित किया गया

वॉशिंगटन, 23 फरवरी। अमेरिका ने मास्टरकार्ड के पूर्व सी.ई.ओ. और भारतीय मूल के अजय बंगा को वर्ल्ड बैंक का अध्यक्ष मनोनित किया है। इस पद पर मनोनित होने वाले बंगा पहले भारतीय हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने गुरुवार को जलवायु परिवर्तन सहित वैश्विक चुनौतियों पर उनके महत्वपूर्ण अनुभव को तरजीह देते हुए बंगा को अध्यक्ष बनाने की घोषणा की। गौरतलब है कि, वर्ल्ड बैंक का कार्यकारी निदेशक नीति आयोग के पूर्व अध्यक्ष परमेश्वरन अय्यर को बनाया गया है। हालांकि अभी तक 189 देशों में गरीबी कम करने का नेतृत्व करने वाली इस संस्था का नेतृत्व डेविड मलपास कर रहे हैं, जिन्होंने आगामी जून में अपनी भूमिका से हटने का ऐलान कर दिया है। हालांकि कि उनका कार्यकाल अप्रैल 2024 में समाप्त होना था। गौरतलब है कि, डेविड मलपास को पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा नियुक्त किया गया था। मौजूदा वक्त में बहुपक्षीय बैंक में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को संबोधित करना अमेरिका के लिए एक प्राथमिकता है और प्रमुख जलवायु आंकड़ों ने बाइडन प्रशासन से आग्रह किया है कि वह शक्तिशाली वित्तीय संस्थान को ओवरहाल करने के लिए मलपास के शुरुआती प्रस्थान का उपयोग करे, जिसकी अमीर राष्ट्र और जलवायु परिवर्तन को संबोधित करने के प्रयास के रूप में आलोचना की गई थी। एक सम्मेलन के दौरान अपनी टिप्पणियों में विज्ञान पर संदेह व्यक्त करने के लिए मलपास पिछले साल आलोचना में घिर गए थे, जिन्होंने कहा था कि जीवाश्म ईंधन के जलने से ग्लोबल वार्मिंग होती है।

बाद में उन्होंने माफी मांगी और कहा कि उन्होंने गलत बात कही थी। अब बंगा को इसकी बागडोर सौंपी गई है, जो वर्तमान में निजी इक्विटी फर्म जनरल अटलांटिक के वाइस चेयरमैन हैं। उनके पास 30 से अधिक वर्षों का व्यावसायिक अनुभव है।

चार और वकीलों को जज बनाया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 फरवरी। केन्द्र सरकार 4 वकीलों को इलाहाबाद व मद्रास हाई कोर्ट में दो साल के लिए एडीशनल जज नियुक्त किया है। इनमें से तीन इलाहाबाद हाई कोर्ट के लिए और एक मद्रास हाई कोर्ट के लिए है।

- **केन्द्र सरकार ने चार वकीलों को हाई कोर्ट में जज के पद पर नियुक्ति दी। इनमें से तीन को इलाहाबाद हाई कोर्ट में और एक को मद्रास हाई कोर्ट में नियुक्ति दी गई है।**

इलाहाबाद हाई कोर्ट में नियुक्ति पाने वाले तीन जज हैं वकील प्रशांत कुमार, मंजीवे शुक्ला और अरूण कुमार देशवाल मद्रास हाई कोर्ट के लिए नियुक्त है वकील वैंकटचारी लक्ष्मीनारायणन्

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908